संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -269 मंगलवार ,30 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

क्या दैनिक घटती-घटना पर बुलडोजर चलने से मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री का कलेजा हुआ ठंडा ?

... अब तो बता दीजिए मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री जी क्या छापे ?

कलम बंद...का तीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का तीसवां दिन

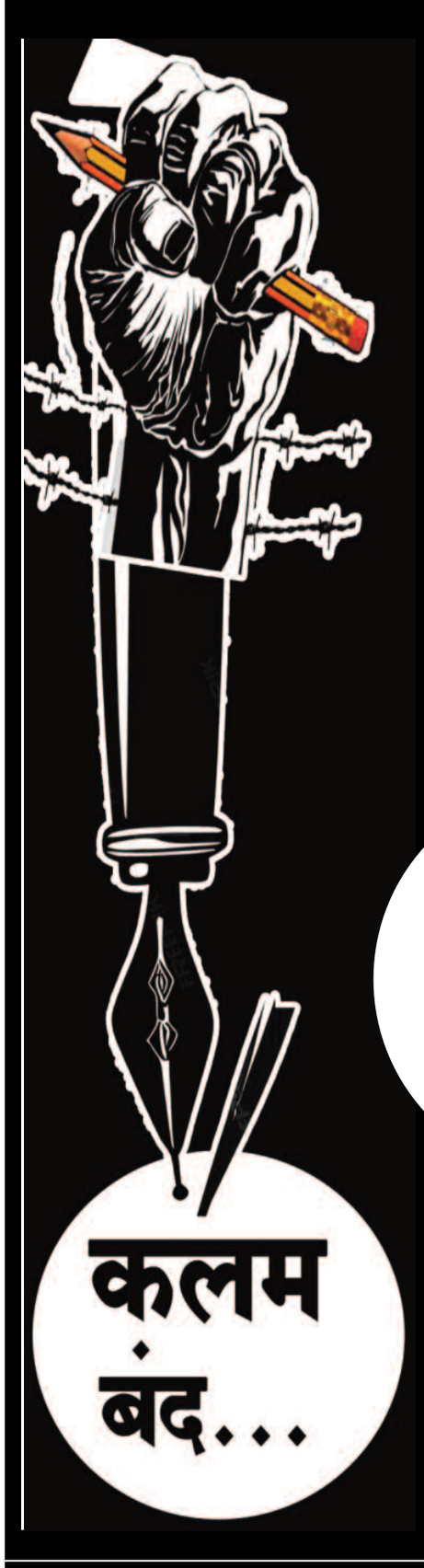

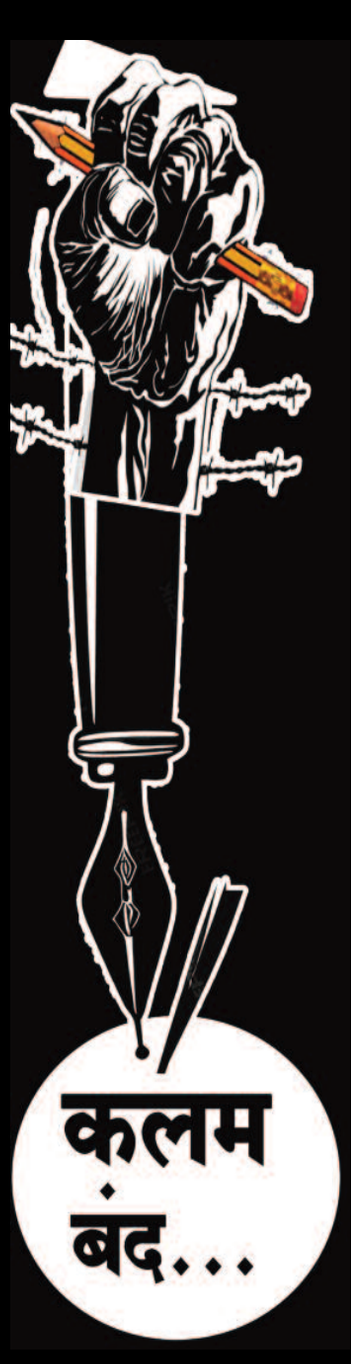

?

कलम बंद...का तीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 29 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

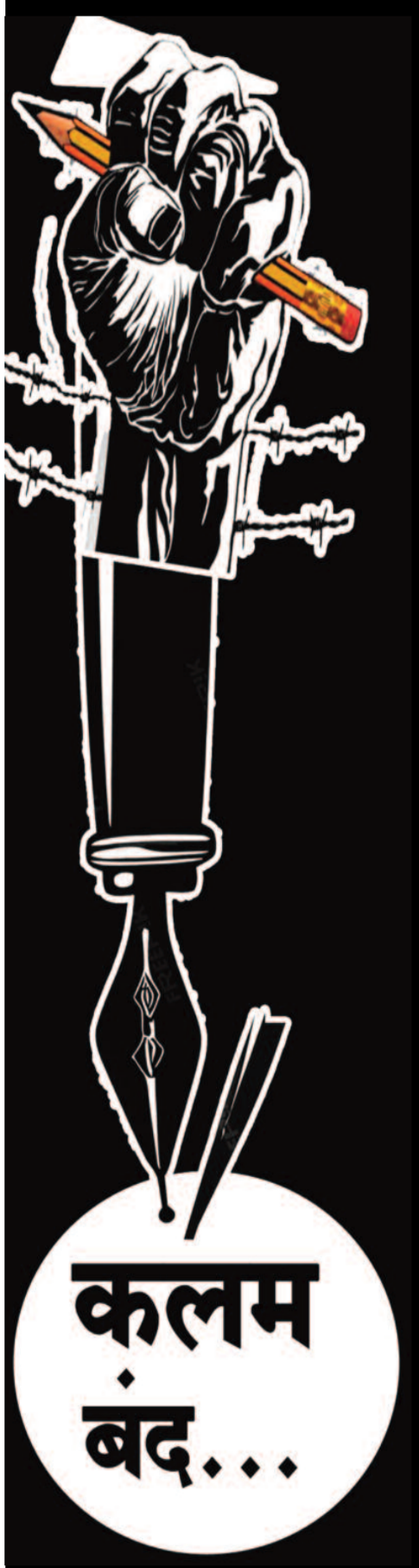

कलम बंद...का तीसवां दिन

कलम बंद...का तीसवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,29 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

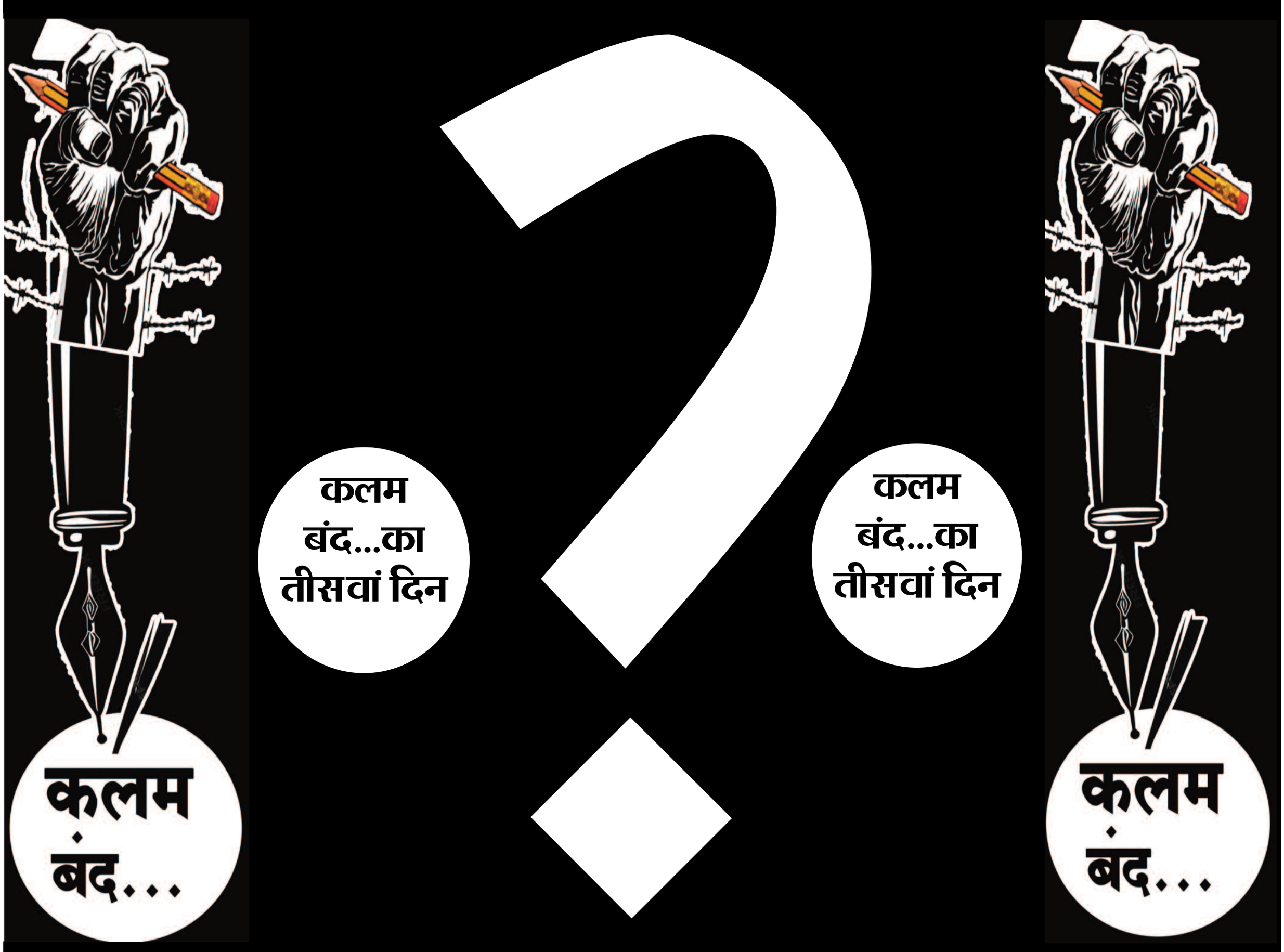

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,29 जुलाई 2024(घटती-घटना) | भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

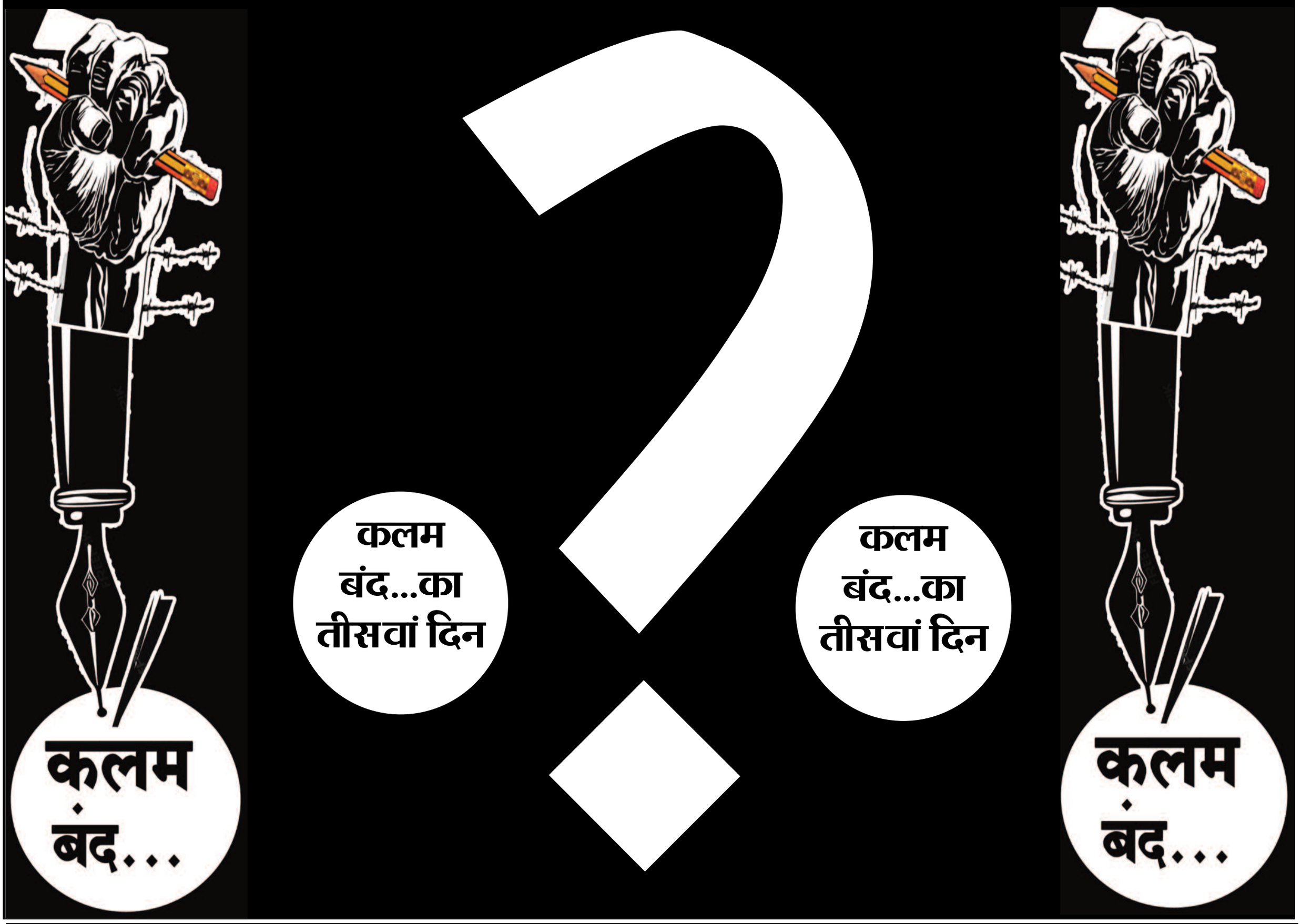

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 29 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

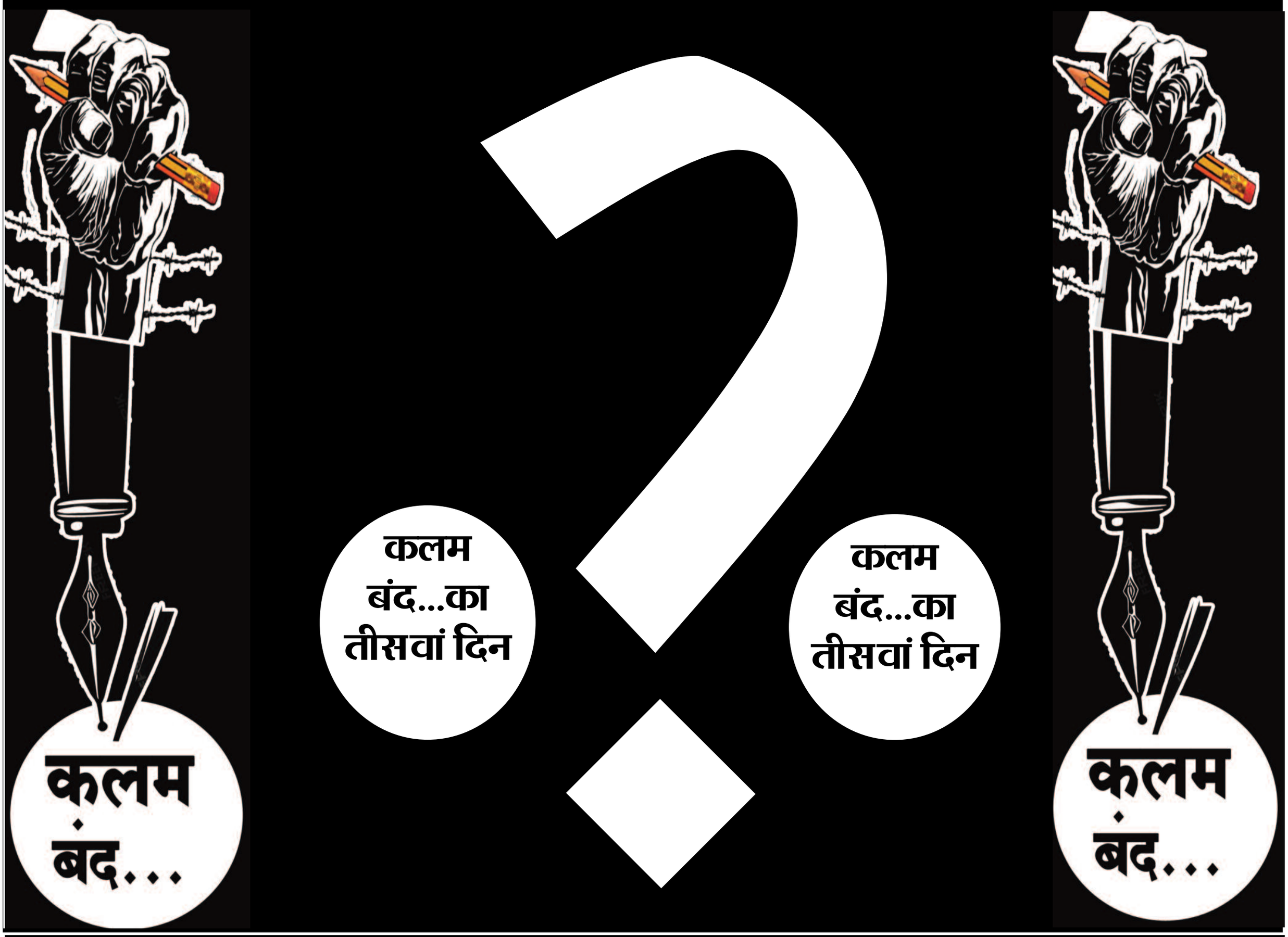

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

इंडिया श्रीलंका वनडे सीरीज आज

» वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर पहुंचे श्रीलंका

कोलंबो,29 जुलाई 2024। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा क्रिकेट से छोटे से ब्रेक पर थे। उनके अलावा विराट कोहली भी ब्रेक पर चले गए थे। केएल राहुल और श्रेयस अय्यर दोनों ही आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप 2024 भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा नहीं थे। इसके अलावा कुलदीप यादव को भी टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद ब्रेक मिला था। विराट और रोहित दोनों ही टी 20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। अब वनडे सीरीज के लिए पहुंच गए हैं। 30 जुलाई से भारत और श्रीलंका के बीच 2 अगस्त से वनडे सीरीज खेली जाएगा। कप्तान रोहित, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, कुलदीप यादव और हर्षित राणा वनडे सीरीज की तैयारी के लिए कोलंबो पहुंच चुके हैं। वहीं टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर भी पालेकल से कोलंबो पहुंच गए हैं। अभिषेक नायर की देख-रेख में रोहित, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, कुलदीप और हर्षित राणा वनेड सीरीज की तैयारियों में जुटेंगे। वनडे स्क्वॉड के बाकी खिलाड़ी इस समय श्रीलंका के खिलाफ टी 20 इंटरनेशनल सीरीज का हिस्सा हैं, टी20 सीरीज खत्म होने के बाद बाकी खिलाड़ी कोलंबो रवाना होंगे। शुभमन गिल, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद फिलहाल टी20 सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं और ये सभी वनडे स्क्वॉड का भी हिस्सा हैं। टी20 सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, सूर्यकुमार यादव और यशस्वी जायसवाल श्रीलंका दौरे से वापस लौट सकते हैं। हार्दिक पंड्या ने पहले ही साफ कर दिया था, कि निजी कारणों के चलते वो वनेड सीरीज नहीं खेल पाएंगे।

भारतीय एथलीट्स का हौसला बढ़ाने पेरिस पहुंचे राहुल द्रविड़

पेरिस,29 जुलाई 2024। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ ओलंपिक में भारतीय एथलीट्स का हौसला बढ़ाने के लिए पेरिस पहुंचे। द्रविड़ की ओलंपिक खेलों का लुत्फ उठाते हुए तस्वीर सामने आई है. राहुल द्रविड़ टी 20 वर्ल्ड कप 2024 तक टीम इंडिया के कोच रहे. भारतीय टीम ने 2024 टी 20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था। टी20 विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया था। हेड कोच का पद छोड़ते ही द्रविड़ टीम इंडिया की सभी जिम्मेदारियों से मुक्त हो गए थे। ऐसे में खाली वक्त का फायदा उठाते हुए वह पेरिस पहुंचे और वहां ओलंपिक का लुत्फ लिया। द्रविड़ ने ओलंपिक में टेनिस के मेंस डबल्स की प्रतियोगिता देखी, जिसमें रोहन बोपन्ना और एन. श्रीराम बालाजी की भारतीय जोड़ी एक्शन में थी। हालांकि इस भारतीय जोड़ी को मुकाबले में फ्रांस की जोड़ी ने शिकस्त दी थी।

वाशिंगटन फ्रीडम ने जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

» फाइनल में फ्रांसिस्को को हराया

डलास,29 जुलाई 2024। मेजर लीग क्रिकेट को नया चैंपियन मिल गई है। इस लीग का फाइनल मैच वाशिंगटन फ्रीडम और सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की टीमों के बीच खेला गया। स्टीव स्मिथ की कप्तानी वाली वाशिंगटन फ्रीडम ने एक तरफा अंदाज में फाइनल मैच जीता और खिताब अपने नाम किया। फ्रीडम ने खिताबी मुकाबले में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को 96 रन से धूल चटा दी। वाशिंगटन फ्रीडम की जीत के हीरो कप्तान स्टीव स्मिथ और मार्को यानसन रहे।

स्टीव स्मिथ की कप्तानी पारी

डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम पर खेले गए मैच में वॉशिंगटन फ्रीडम ने पहले बल्लेबाजी की। ट्रैविस हेड फाइनल मैच में नहीं चले, लेकिन कप्तान स्टीव स्मिथ ने ताबड़तोड़ बैटिंग की। जिसके चलते वाशिंगटन फ्रीडम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 207 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 52 गेंदों पर 88 रन जड़े, जिसमें 6 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 169.23 का रहा। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल ने 22 गेंदों पर 40 रन ठोके। स्मिथ ने ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर पारी को 169 रन तक पहुंचाया। मुख्ते तार अहमद ने 9 गेंदों पर 19 रन और ओबस पिएनार ने 9 गेंदों पर 13 रन बनाकर पारी का अंत किया।

फ्रीडम के गेंदबाजों ने मचाया कहर

वाशिंगटन फ्रीडम से मिले 208 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की टीम सस्ते में सिमट गई। पूरी टीम 16 ओवर में 111 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से कैमी ली रूक्स ने सबसे ज्यादा 20 रनों का योगदान दिया और नॉटआउट लौटे। दूसरी ओर फ्रीडम के लिए मार्को यैनसेन ने चार ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं रचिन रविंद्र ने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। एंड्रयू टाइ ने दो ओवर में 12 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि सौरभ नेत्रवकर और ग्लेन मैक्सवेल ने एक-ए विकेट चटकाया। स्टीव स्मिथ को उनकी शानदार और विस्फोटक पारी के लिए फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

स्टीव स्मिथ-ट्रैविस हेड का दमदार प्रदर्शन

स्टीव स्मिथ के लिए ये सीजन काफी शानदार रहा। एमएलसी 2024 के फाइनल में जमाए 6 छक्कों के साथ स्टीव स्मिथ के टूर्नामेंट में कुल 21 छक्के हो गए। इस दौरान उन्होंने 9 पारियों में 336 रन ठोके और वो लीग के तीसरे सबसे सफल बल्लेबाज बने। दूसरी ओर ट्रैविस हेड प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। ट्रैविस हेड ने 9 मैचों में 48 की औसत से 336 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 173.2 का रहा।

लक्ष्य सेन की पहली जीत नहीं की जाएगी काउंट

पेरिस,29 जुलाई 2024। भारत के स्टार बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक 2024 में अपना पहला मुकाबला जीत गए थे, लेकिन अब पता चला है कि उसे काउंट ही नहीं किया जाएगा। इससे भारत को एक करारा झटका लगा है। हालांकि ये सब कुछ नियमों के अनुसार ही किया जा रहा है। जिस विरोधी को लक्ष्य सेन ने हराया है, उसने चोट के कारण अपना नाम इस टूर्नामेंट से वापस ले लिया है। इतना नहीं सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का पुरुष युगल ग्रूप सी का मुकाबला भी रद कर दिया गया है, जो आज खेला जाना था। वहां भी इन प्लेयर्स के खिलाफ जिन विरोधी खिलाड़ियों को खेलना था, वे चोट के कारण बाहर हो गए हैं। चलिए जरा समझते हैं कि ये पूरा मामला आखिर है क्या और इससे भारत की उम्मीदों को कैसे झटका लगा है।

केविन कॉर्डन पर मिली जीत को नहीं किया जाएगा काउंट

भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन की ओलंपिक खेलों में पुरुष एकल ग्रुप एल के शुरुआती मैच में केविन कॉर्डन पर जीत को नहीं गिना जाएगा। ऐसा लिए किया गया है क्योंकि ग्वाटेमाला का उनका प्रतिद्वंद्वी बाई कोहनी की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने एक अपडेट में कहा है कि ग्वाटेमाला के पुरुष एकल खिलाड़ी केविन कॉर्डन बाई कोहनी की चोट के कारण पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता से हट गए हैं। इसमें कहा गया है कि इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और बेल्जियम के जूलियन कैराग्गी के खिलाफ उनके ग्रुप एल के शेष मैच नहीं खेले जाएंगे। इस ग्रुप के मैचों का कार्यक्रम फिर से तय किया गया है। बैडमिंटन की विश्व संस्था ने कहा है कि ग्रुप चरण के लिए बीडब्ल्यूएफ के प्रतियोगिता संबंधी नियमों के अनुसार ग्रुप एल में मैच कॉर्डन को शामिल करते हुए खेले गए थे। इसलिए ग्रुप एल में कॉर्डन से जुड़े सभी खेले गए या अभी खेले जाने वाले सभी मैचों के परिणाम अब हटाए गए माने जाते हैं।

ग्रुप एल में अब रह जाएंगे केवल तीन ही खिलाड़ी

टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट कॉर्डन के हटने का मतलब है कि ग्रुप एल में अब केवल तीन खिलाड़ी होंगे, जिसमें लक्ष्य सेन के अलावा क्रिस्टी और कैरागी शामिल हैं। इस तरह से इस ग्रुप में लक्ष्य अकेले खिलाड़ी होंगे जो तीन मैच खेलेंगे। लक्ष्य सेन अब सोमवार को कैरागी और बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में क्रिस्टी से भिड़ेंगे। इस बीच जर्मन खिलाड़ी मार्क लैम्सफस के चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का पुरुष युगल ग्रुप सी का मुकाबला रद कर दिया गया है। भारतीय जोड़ी को सोमवार को लैम्सफस और मार्विन सेडेल की जर्मन जोड़ी से मैच खेलना था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा है कि जर्मन पुरुष युगल खिलाड़ी मार्क लैम्सफस घुटने की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता से हट गए हैं। बताया गया है कि लैम्सफस और उनके साथी मार्विन सेडेल के ग्रुप सी में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी और फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनन लाबर (30 जुलाई 2024) के खिलाफ होने वाले मैच अब नहीं खेले जाएंगे। सात्विक और चिराग ने शनिवार को लुकास कोरवी और रोनन लाबार की फ्रांसीसी जोड़ी पर 21-17, 21-14 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। यह भारतीय जोड़ी ग्रुप के अपने अंतिम मैच में मंगलवार को इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो से भिड़ेगी। जर्मन जोड़ी के हटने के कारण इंडोनेशिया की जोड़ी की शनिवार को लैम्सफस और सीडेल पर जीत को परिणाम से हटा दिया गया है।

भारत ने अब तक जीता है एक ब्रांज मेडल

इस बीच अगर भारत के प्रदर्शन की बात करें तो वो अभी तक मिलाजुला रहा है। जहां कुछ भारतीय खिलाड़ी अपने मुकाबले जीतकर अगले राउंड में प्रवेश कर रहे हैं, वहीं कुछ हार कर बाहर भी हो रहे हैं। अभी तक भारत की मनु भाकर ने ब्रांज मेडल जीतकर भार का खाला खोल लिया है। अब आज कुछ और मेडल भारत के पास आने की उम्मीद है। देखना होगा कि आगे भारतीय खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करने में कामयाब होते हैं।

सात्विकसाईराज-चिराग शेट्टी को लगा बड़ा झटका

» दूसरे राउंड का मैच कैंसल, मेडल पर मंडराया खतरा

पेरिस,29 जुलाई 2024। भारत के बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बड़ा झटका लगा. सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी का अगला मैच कैंसल हो गया। भारत के बैडमिंटन के मेंस डबल्स के पहले मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने फ्रांस के कोरवी लुकास और लेबर रोनन की जोड़ी के खिलाफ 2-0, 21-17, 21-14 से शानदार जीत दर्ज की थी। पहली जीत के बाद भारतीय जोड़ी से बैडमिंटन में मेडल की उम्मीद बढ़ गई थी, लेकिन अब इस जोड़ी का दूसरा मैच कैंसल हो जाने की वजह से मेडल पर खतरा मंडराता हुआ दिख रहा है। 27 जुलाई को पहले मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को अगला मुकाबला आज यानी 29 जुलाई, सोमवार को जर्मनी के मार्विन सीडेल और मार्क लैम्सफूस की जोड़ी के खिलाफ खेलना था। दोनों के बीच यह मुकाबला दोपहर 12 बजे से होना था, जो रद्द हो गया। लेकिन आखिर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का दूसरा मुकाबला रद्द क्यों किया गया? दरअसल जर्मनी के मार्क लैम्सफूस ने घुटने की इंजरी के चलते पेरिस ओलंपिक से नाम वापस ले लिया है। मार्क लैम्सफूस के नाम वापस होने की जानकारी वर्ल्ड बैडमिंटन फेडरेशन ने दी. लैम्सफूस के चोटिल हो जाने के कारण जर्मनी की जोड़ी के अगले दोनों अगले दोनों मैच भी कैंसल हो गए। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी बैडमिंटन मेंस डबल्स के ग्रूप-सी में मौजूद हैं।

मेडल के लिए भारतीय जोड़ी को आखिरी मैच जीतना ज़रूरी

पहला मैच में शानदार जीत दर्ज करने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी की जोड़ी को वैसे तो दो और मैच खेलने थे, लेकिन दूसरा मैच रद्द होने जाने की वजह से भारतीय जोड़ी अब सिर्फ एक ही मैच खेलेगी। सात्विकसाईराज और चिराग को मेडल की उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए आखिरी मुकाबले में हार हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सात्विकसाईराज और चिराग की भारतीय जोड़ी अपना अगला और आखिरी मुकाबला 30 जुलाई, मंगलवार को इंडोनेशिया के अल्फियान फजर और अर्दियांतो मुहम्मद रियान की जोड़ी के खिलाफ खेलेगी।

भारत में खेला जाएगा 2025 एशिया कप

» 2027 एशिया कप की मेजबानी करेगा यह देश

नई दिल्ली, 29 जुलाई 2024। पिछले साल रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर एशिया कप अपने नाम किया। वहीं, अब एशिया कप 2025 से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आ रही है। एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत करेगा। साथ ही यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसके बाद एशिया कप 2027 की मेजबानी बांग्लादेश करेगा। यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा. इससे पहले पिछले साल श्रीलंका की सरजमीं पर एशिया कप खेला गया था जिसमें टीम इंडिया ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर टाइटल जीता।

दरअसल, टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में खेला जाना है. इसके मद्देनजर एशिया कप 2025 का फॉर्मेट टी20 होगा, ताकि टीमें अपनी तैयारी को बेहतर कर सकें. वहीं, साउथ अफ्रीकी सरजमीं पर वनडे वर्ल्ड कप 2027 खेला जाना है.

इस वर्ल्ड कप की बेहतर तैयारियों के लिए एशिया कप 2027 का फॉर्मेट 50-50 ओवरों का होगा। एशिया कप का आयोजन एशियन क्रिकेट कंट्रोल करती है। इस टूर्नामेंट के इतिहास पर नजर डालें तो अब तक की सबसे कामयाब टीम भारत रहा है। भारत ने रिकॉर्ड 8 बार एशिया कप अपने नाम किया है। जिसमें 7 बार वनडे और 1 बार टी20 फॉर्मेट शामिल है. भारत के बाद श्रीलंका सबसे कामयाब टीम है. इस टीम ने 6 बार एशिया कप ट्रॉफी जीता है। जबकि भारत और श्रीलंका के बीद तीसरे नंबर पर पाकिस्तान है। अब तक पाकिस्तान को महज 2 बार एशिया कप टाइटल जीतने में कामयाबी मिली है।

बताते चलें कि एशिया कप 2023 फाइनल में टीम इंडिया ने आसानी से श्रीलंका को हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका 15.2 ओवर में 50 रनों पर सिमट गई। इस तरह रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के सामने 51 रनों का आसान लक्ष्य था। टीम इंडिया ने 6.1 ओवर में बिना किसी विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह भारतीय टीम रिकॉर्ड आठवीं बार एशिया कप चैंपियन बनी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला -सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फूलमाला विश्वास आ0 स्व0 कालीचरण विश्वास निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 48/2 रकबा 0.67आर्स भूमि में से रकबा 4.5 डिसमिल भूमि को अनावेदक रामचन्द्र चक्रधारी आ0 जगदीश प्रसाद निवासी ग्राम उंचडीह तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 4,50,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 16.08.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

एकता कपूर की बिन्नी एंड फैमिली का पोस्टर रिलीज

वरुण धवन की भतीजी करेंगे डेब्यू, सेलेब्स ने दी बधाई

बॉलीवुड में फिल्मी फैमिली से आने वाले एक्टर्स की भरमार है। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अनन्या पांडे, जाह्नवी कपूर, सारा अली खान के बाद अब एक और स्टार किड को बॉलीवुड में लॉन्च करने की तैयारी है। यह स्टार किड वरुण धवन के परिवार से है, जिसका नाम अंजिनी धवन है। अंजिनी, वरुण धवन की भतीजी हैं और जल्द ही बॉलीवुड में अपना पहला कदम रखने वाली हैं। उनकी डेब्यू फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया है, जिस पर वरुण धवन सहित कई सेलेब्स ने प्यार जताया है। अंजिनी की हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पहली फिल्म बिन्नी एंड फैमिली होगी। इस फिल्म को एकता कपूर लेकर आ रही हैं।फिल्म का पोस्टर रिलीज होते ही स्टार्स ने अंजिनी को गुड लक विश करना शुरू कर दिया। वरुण धवन ने हार्ट इमोजी बनाकर अंजिनी के लिए अपना प्यार और सपोर्ट दिखाया है।

करण जौहर ने की तारीफ

अंजिनी धवन की डेब्यू फिल्म पर करण जौहर ने प्यार जताया है। उन्होंने कहा कि इस मूवी ने उनकी आंखों में आंसू ला दिए। उन्होंने कहा कि अंजिनी पूरी फिल्म में प्यारी लग रही हैं। खुशी कपूर, अंजिनी के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए खुशी जताई और लिखा कि ये मेरी बेस्ट फ्रेंड की पहली फिल्म है।शनाया कपूर ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इमोजी बनाई है।

हर जेनरेशन की कहानी है बिन्नी एंड फैमिली

बिन्नी एंड फैमिली हर जेनरेशन की कहानी है। इस मूवी में पुराने जमाने के संस्कार और मॉडर्न जमाने के विचार के बीच के कॉम्प्लिकेशन को दिखाया गया है।

फिल्म की स्टार कास्ट

फिल्म की स्टार कास्ट में पंकज कपूर, राजेश कुमार, हिमानी शिवपुरी और चारु शंकर भी हैं। मूवी 30 अगस्त को रिलीज होगी।

सम्राट अशोक के वंशज थे संजय दत्त

अपने पिछले जन्म को लेकर कभी एक्टर ने किया था दिलचस्प खुलासा

एक्टर संजय दत्त की गिनती बॉलीवुड के नामी एक्टर में होती है। मां नर्गिस और पिता सुनील दत्त की तरह ही संजय ने भी फिल्म इंडस्ट्री में अपने काम से नाम कमाया है। हालांकि, उनके साथ कुछ कंट्रोवर्सीज भी रहीं। अफेयर्स से लेकर जेल और ड्रग्स की लत को लेकर, संजय दत्त का करियर फिल्मों और कंट्रोवर्सीज से भरा रहा है। बीते दिवस संजय दत्त का 65वां जन्मदिन था। इस खास मौके पर हम आपको उनसे जुड़ी एक मजेदार बात बताएंगे। कॉफी विद करण के एक एपिसोड में संजय दत्त ने अपनी पास्ट लाइफ से जुड़ा एक खुलासा किया था। उन्होंने करण जौहर के शो में एक बार बताया था कि एक ज्योतिषी ने उन्हें उनके पिछले जन्म के बारे में क्या बताया था।

पिछले जन्म के बारे में संजय दत्त ने किया था ये खुलासा

2005 में कॉफी विद करण में संजय दत्त ने अपनी पास्ट लाइफ से जुड़ा मजेदार खुलासा किया था। उन्होंने एक ज्योतिषी द्वारा उनके पिछले जन्म के बारे में किए गए खुलासा के बारे में बताया था। संजय ने कहा था कि कर्नाटक के शिवनेरी नाम के गांव में गए थे। यहां वह अपने दोस्त के कहने पर गए थे।

अशोक सम्राट के वंशज थे संजय

केजीएफ 2 के विलेन संजय दत्त ने कहा कि पंडित ने उनसे कहा कि उनके पिता का नाम बलराज दत्त है। इस पर एक्टर ने उनसे कहा कि नहीं उनका नाम सुनील दत्त था। इसके बाद पंडित ने ये भी खुलासा किया कि मां का नाम फातिमा हुसैन होना चाहिए। इसके बाद उस पंडित ने कहा कि संजय दत्त पिछले जन्म में अशोक सम्राट के वंशज थे। उनकी पत्नी का उनके शासन में रहे मंत्री से अफेयर था।संजय ने बताया कि पंडित ने उनसे कहा था कि उनकी पत्नी उन्हें मृत चाहती थीं इसलिए उन्हें जंग के लिए भेज दिया। लेकिन उन्होंने (संजय दत्त) अपने दुश्मनों का खात्मा किया और बाद में अपनी पत्नी को भी मार दिया। पिछले जन्म में वह शिव भक्त भी थे।

संजय दत्त की आने वाली फिल्में

एक्टर के जन्मदिन पर केडी- द डेविल की घोषणा की गई है। इसी के साथ फिल्म में उनका लुक भी रिवील किया गया। इसके अलावा उनकी अपकमिंग फिल्मों में लियो, डबल आईस्मार्ट और घुड़चढ़ी है। घुड़चढ़ी 9 अगस्त को जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। बाकी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। उनके पास आदित्य धर की एक अनटाइटल्ड फिल्म भी है।

खुला पत्र

साय सरकार आलोचना बर्दाश्त करने वाली सरकार नहीं ?

» क्या साय सरकार ने दैनिक घटती-घटना पर बुलडोजर चलाने के लिए मात्र पूर्व सरकार की योजना को किया बंद ?

अंबिकापुर,29 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। क्या प्रदेश की साय सरकार आलोचना बर्दाश्त कर पाने में असमर्थ साबित हो चुकी सरकार है...क्या साय सरकार उन आलोचनाओं को भी बर्दाश्त कर पाने में असमर्थ साबित होती सरकार है...जो भ्रष्टाचार से जुड़े विषय या आलोचना हैं...। सरगुजा अंचल से प्रकाशित दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र ने तो केवल सत्य का ही प्रकाशन किया था उसमें केवल यह ही विषय प्रकाशित थे कि क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की नौकरी जो दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर पाई गई नौकरी है पर कार्यवाही होगी जिसकी मांग खुद दिव्यांग संघ कर रहा है। नामजद वह आवेदन प्रस्तुत कर रहा है। वहीं क्या स्वास्थ्य मंत्री के तथाकथित भतीजे के मामले में जो की कोरिया जिले से भ्रष्टाचार कर वहीं जिसकी योग्यता फर्जी है जिसके आधार पर वह स्वास्थ्य विभाग में सूरजपुर जिले में डीपीएम बना हुआ है उसके भ्रष्टाचार की जांच होगी। कोरिया जिले के कार्यकाल की उसकी योग्यता की जांच होगी। मामले में ही केवल प्रश्न उठा रहा था वहीं इन्हीं दो प्रश्नों से साय सरकार पहले इतनी आहत हुई कि उसने दैनिक घटती-घटना का शासकीय विज्ञापन ही बंद करा दिया। वहीं जब दैनिक घटती-घटना ने इसका विरोध किया और कलम बंद कर विज्ञापन बंद करने का विरोध किया तो सरकार इतनी व्याकुल हो गई असहिष्णु हो गई और केवल एक समाचार-पत्र को नेस्तनाबूत करने के लिए उसने पूर्व की कांग्रेस सरकार के समय के एक कानून को ही बदल दिया और जिसके बाद मानवता को शर्मशार करने वाला एक निर्णय लिया और ऐसे समय में दैनिक घटती-घटना के प्रेस कार्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठानों को जमींदोज कर दिया जब संपादक के साथ पितृशोक का समय चल रहा था। सवाल तो उठेंगे... भले ही सत्ता से जुड़े लोग कोई दलील दें...क्या दैनिक घटती-घटना के संपादक के विरुद्ध उनके प्रतिष्ठानों के विरुद्ध की गई कार्यवाही वह भी हड़बड़ाहट में की गई कार्यवाही को न्यायसंगत खुद कह पाएंगे सरकार के नुमाइंदे... क्या यह उचित था...कि जब कोई पुत्र पितृशोक काल में हो और वह अंतिम संस्कार के लिए तैयारियों में हो हिंदू मान्यताओं अनुसार पिता के मृत आत्मा की शांति हेतु प्रयासरत हो...उसके साथ ऐसी घटना कारित की जाए जिसमे उसके आशियाने को ही उजाड़ दिया जाए... वैसे बरसात में चिड़ियों के घोंसले भी लोग नहीं तोड़ते लेकिन साय सरकार ने अपनी फजीहत रोकने अपनी भ्रष्ट नीति और भ्रष्टाचारियों को बचाने की नीति के कारण ऐसा निर्णय लिया जिसमे उसने बरसात के समय भोर में ही एक आशियाना उजाड़ दिया। वैसे सरकार और उसके नुमाइंदे इस प्रयास में भी लगे रहे कि कोई एक भी विरोध हो जाए एक आवाज उठ जाए विरोध का जिससे वह आसानी से पितृशोक में शोकग्रस्त समाचार-पत्र के संपादक को जो छुरी लोटा लेकर फिलहाल बैठा है उसे उठाकर जेल में भी डाला जा सके। आत्मा शांति के कार्यक्रम में संपादक के पिता के विध्न जिससे डाला जा सके। वह तो संपादक का धैर्य देखने को मिला और उन्होंने प्रशासन को इसका मौका नहीं दिया वरना सरकार और प्रशासन की तैयारी तो यह थी कि वह शोकाकुल संपादक के परिवार के हर सदस्य को कारावास की सजा दे डाले जो देखने को मिला जिस तैयारी से प्रशासन पहुंचा था।वैसे शासन-प्रशासन की कार्यवाही निःसंदेह द्वेषपूर्ण कार्यवाही रही। वहीं इस कार्यवाही से यह भी तय हो गया कि सरगुजा संभाग का मुख्यमंत्री सरगुजा की आवाज को बुलंद नहीं होने देगा वह ऐसी आवाज को कुचल देगा जो विरोध में या आलोचना में बातें करेगी।

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

क्यूं न लिखें सच ?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या? इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...? क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक... अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)